सबगुरु डिजिटल मीडिया प्लेटफार्म
फेसबुक पेज लिंक
https://www.facebook.com/sabgurunews/
वेबसाइट लिंक
https://www.sabguru.com/
यूट्यूब चैनल लिंक
https://www.youtube.com/channel/UCCcLf90UP-prqTinNwqUXZg/
English Article Link:
https://www.sabguru.com/en/the-role-of-dopamine-understanding-the-feel-good-hormone/

SABGURU NEWS

पो.रजि. नं. आरजे/एजे/211/2025-27

PRGI. No. RAJBIL/2023/88629

सबगुरु न्यूज

(राष्ट्रीय द्विभाषीय पाक्षिक)

मो.9887907277 Email ID sabgurunews@gmail.com Website https://www.sabguru.com

सम्पादक - विजय सिंह

खबरों के लिए स्कैन करें

वर्ष 2 | अंक 18 | अजमेर, सोमवार 10 मार्च 2025 | मूल्य 5 रुपए | पृष्ठ-4

12 साल बाद भारत बना आईसीसी चैंपियंस ट्राफी का चैंपियन

◆ रोमांचक मैच में न्यूजीलैंड को 4 विकेट से हराया ◆ टीम इंडिया ने जीता चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब

दुबई। गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद कप्तान रोहित शर्मा 76 श्रेयस अय्यर 48 और के एल राहुल ;नाबाद 34 की बेहतरीन पारी की बदौलत भारत ने रविवार को फाइनल मुकाबले में न्यूजीलैंड को चार विकेट से हराकर चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब अपने नाम किया। भारत 12 साल बाद चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब जीता हैं।252 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारत के लिए कप्तान रोहित शर्मा और शुभमन गिल की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 105 रनों की साझेदारी की। 19वें ओवर में मिचेल सैंटनर ने धीमी गति से बल्लेबाजी कर रहे शुभमन गिल 31 को आउटकर न्यूजीलैंड को पहली सफलता दिलाई।अगले ही ओवर में माइकल ब्रेसवेल ने विराट कोहली ;एक को पगबाधा कर भारत को दूसरा झटका दिया। 27वें ओवर में रचिन रविंद्र ने रोहित शर्मा को आउट कर भारत का बड़ा झटका दिया। रोहित शर्मा ने 83 गेंदों में सात चौके और तीन छक्के लगाते हुए 76 रनों की अर्धशतकीय पारी खेली। 39वें ओवर में मिचेल सैंटनर ने श्रेयस अय्यर को आउटकर न्यूजीलैंड को चौथी सफलता दिलाई। श्रेयस अय्यर ने 62 गेंदों में दो चौके और दो छक्के लगाते हुए 48 रन बनाये। इसके बाद अक्षर पटेल ;29 रन बनाकर आउट हुये। आखिरी ओवरों में सूझबूझ के साथ बल्लेबाजी करते हुए के एल राहुल और हार्दिक पंड्या ने न्यूजीलैंड के चैंपियंस ट्रॉफी जीतने के अरमानों पर पानी फेर दिया।हालांकि इस दौरान 48वें ओवर में हार्दिक पंड्या 18 रन बनाकर आउट हो गये। भारत ने न्यूजीलैंड को चार विकेट से हराकर चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब अपने नाम किया । भारत ने 12 साल के बाद चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब जीता है। के एल राहुल 34 और रवींद्र जडेजा नौ रन बनाकर नाबाद रहे। न्यूजीलैंड की ओर से मिचेल सैंटनर और माइकल ब्रेसवेल ने दो.दो विकेट लिये। रचिन रविंद्र और काइल जेमीसन ने एक.एक बल्लेबाज को आउट किया।

इससे पहले न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सैंटनर ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया। बल्लेबाजी करने उतरी विल यंग और रचिन रविंद्र की सलामी जोड़ी ने न्यूजीलैंड के अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 58 रन जोड़े। आठवें ओवर में वरूण चक्रवर्ती ने विल यंग 15 को पगबाधा आउट कर भारत को पहली सफलता दिलाई। इसके बाद 11वें ओवर में कुलदीप यादव ने रचिन रविंद्र 37को आउट कर न्यूजीलैंड को दूसरा झटका दिया। बल्लेबाजी करने आए डैरिल मिचेल ने केन विलियमसन के साथ पारी संभालने का प्रयास किया।

13वें ओवर में कुलदीप यादव ने केन विलियमसन 16 को अपनी ही गेंद पर कैच आउटकर पवेलियन भेज दिया। 24वें ओवर में रवींद्र जडेजा ने टॉम लेथम 14 को पगबाधा आउट कर भारत के लिये चौथा विकेट झटका। ग्लेन फिलिप्स ने डैरिल मिचेल का बखूबी साथ निभाया। दोनों के बल्लेबाजों के बीच पांचवें विकेट के लिए 57 रनों की साझेदारी हुई।वरूण चक्रवर्ती ने 38वें ओवर में ग्लेन फिलिप्स ;34 को बोल्ड कर इस साझेदारी को तोड़ा। 46ओवर में मोहम्मद शमी ने डैरिल मिचेल को आउटकर भारत को बड़ी सफलता दिलाई। डैरिल मिचेल ने 101 गेंदों में तीन चौके लगाते हुये ;63 रनों की जूझारू पारी खेली। सातवें विकेट के रूप में 49वें में कप्तान मिचेल सैंटनर;आठ रनआउट हुये। माइकल ब्रेसवेल ने 40 गेंदों में तीन चौके और दो छक्के लगाते हुए ;नाबाद 53 रनों की पारी खेली। न्यूजीलैंड ने निर्धारित 50 ओवरों में सात विकेट पर 251 रन का स्कोर खड़ा किया। भारत की ओर वरूण चक्रवर्ती और कुलदीप यादव ने दो.दो विकेट लिये। रविंद्र जडेजा और मोहम्मद शमी ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

अजमेर के आसमान में झलका जीत का जश्न

टीम इंडिया की जीत के साथ ही अजमेर में क्रिकेट प्रेमियों ने जमकर आतिशबाजी की। आसमान रंग बिरंगी रोशनी से दमक उठा। गली मोहल्लों में लोगों ने सडकों पर आकर जमकर पटाखे चलाए। एक दूसरे का मुंह मीठा कराया। टीम इंडिया जिंदाबाद के नारे लगाए।

कोचिंग सेंटर्स को कानूनी दायरे में लाने के लिए आएगा विधेयक

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में मंत्रीमंडल की बैठक

जयपुर। राजस्थान सरकार ने दिव्यांगजन कल्याण कर्मचारी कल्याणनगर सुधार न्यास एवं विकास प्राधिकरणों में सुशासन और अक्षय ऊर्जा से जुड़े महत्वपूर्ण फैसले किए हैं।मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में शनिवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में मंत्रिमण्डल की बैठक में ये निर्णय किए गए। बैठक के बाद उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचन्द बैरवा एवं संसदीय कार्यमंत्री जोगाराम पटेल ने बताया कि प्रदेश में संचालित कोचिंग केन्द्रों पर प्रभावी नियंत्रण करने और इनमें पढ़ रहे विद्यार्थियों को मानसिक संबल एवं सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से दि राजस्थान कोचिंग सेंटर्स कंट्रोल एण्ड रेगुलेशन बिल-2025 के प्रस्ताव पर स्वीकृति प्रदान की गई। यह विधेयक केन्द्र सरकार द्वारा जारी दिशा.निर्देशों राज्य की परिस्थिति को ध्यान में रखते हुए एवं विभिन्न स्टेक होल्डर्स के साथ विचार-विमर्श के अनुसार तैयार किया गया है। उन्होंने बताया कि कोचिंग सेन्टर्स की व्यवस्था को और अधिक पारदर्शी बनाए जाने के लिए राज्य स्तरीय पोर्टल एवं विद्यार्थियों की काउंसलिंग के लिए चौबीस घंटे हेल्पलाइन भी स्थापित की जाएगी। डॉ. बैरवा ने बताया कि प्रस्तावित कानून के अस्तित्व में आने के बाद प्रत्येक कोचिंग संस्थान को रजिस्ट्रेशन करवाना अनिवार्य होगा। 50 या 50 से अधिक अध्ययनरत विद्यार्थियों वाले कोचिंग सेन्टर्स को कानूनी दायरे में लाया जाएगा एवं साथ ही छात्रों के लिए सुरक्षित, अनुशासित एवं अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराया जाएगा। प्रदेश में उच्च शिक्षा विभाग के प्रभारी सचिव की अध्यक्षता में राजस्थान कोचिंग इंस्टीट्यूट्स,कंट्रोल एण्ड रेगुलेशन अथॉरिटी का गठन किया जाएगा। अथॉरिटी के अधीन प्रत्येक जिले में जिला मजिस्ट्रेट की अध्यक्षता में एक जिला समिति का गठन किया जाएगा।

पटेल ने बताया कि मंत्रिमंडल द्वारा अनुमोदित राज्य कौशल नीति औद्योगिक क्षेत्रों की मांग के अनुरूप युवाओं को विशेष कौशलों में प्रशिक्षित कर वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करेगी और राज्य के औद्योगिक विकास में सहायक सिद्ध होगी। इस नीति के माध्यम से आईटीआई को नए युग के उन्नत कौशल केंद्रों के रूप में विकसित किया जाएगा। आईटीआई में नए कोर्सए मॉड्यूल और उद्योगों के साथ ऑन.द.जॉब ट्रेनिंग की व्यवस्था की जाएगी। उन्होंने बताया कि सभी संभागीय मुख्यालयों में मॉडल कैरियर सेंटर स्थापित कर युवाओं को कौशल प्रशिक्षण कैरियर परामर्शए इंटर्नशिप और रोजगार के अवसरों की जानकारी दी जाएगी। उन्होंने बताया कि राज्य कौशल नीति के अन्तर्गत ऑटोमेशनए एआईए मशीन लर्निंगए आईओटी स्मार्ट मैन्युफैक्चरिंग और साइबर सुरक्षा जैसे आधुनिक तकनीक वाले क्षेत्रों में प्रशिक्षण देकर युवाओं को इंडस्ट्री 4.0 के लिए तैयार किया जाएगा। स्थानीय औद्योगिक क्लस्टरों के पास कौशल प्रशिक्षण केंद्र स्थापित किए जाएंगे। रिक्रूट ट्रेन डेप्लॉय मॉडल के तहत स्थानीय उद्योगों की जरूरतों के अनुसार युवाओं को प्रशिक्षित किया जाएगा। इस नीति में अनुभवी श्रमिकों के कौशल प्रमाणीकरणए री.स्किलिंग और अप.स्किलिंग कार्यक्रमों पर विशेष बल दिया जाएगा ताकि श्रमिक बदलते औद्योगिक वातावरण में तालमेल बिठा सकें। पटेल ने कहा कि इस नीति के अन्तर्गत युवाओं को उद्योग की नई आवश्यकताओं के अनुसार उन्नत पाठ्यक्रम और प्रशिक्षण उपलब्ध कराने के लिए विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय का आधुनिकीकरण कर विशेष कौशल केंद्र स्थापित किए जाएंगे। इसी प्रकार श्री विश्वकर्मा कौशल विकास बोर्ड द्वारा पारम्परिक कारीगरों को बेहतर कौशल और व्यापक बाजार तक पहुंच प्रदान करने के लिए काम किया जायेगा।

श्री श्याम बाबा ने किया नगर भ्रमण भक्तों ने बरसाए पुष्प

अजमेर। बाबा श्रीश्याम धणी नगर भ्रमण पर निकले तो भक्तों ने दिल खोलकर उनका स्वागत सत्कार किया। पुष्पों की बरसात के बीच मधुर भजनों पर नृत्य करते श्रद्धालुओं का भक्तिभाव देखते ही बनता था।

रविवार शाम पुलिस लाईन में लखदातार नवयुवक मंडल की ओर से श्री श्याम बाबा की सवारी निकाल कर उन्हें नगर भ्रमण कराया गया। श्री श्याम बाबा का सजा रथ भक्तों ने हाथों में लिए निशानरथ यात्रा शाम को क्षत्रिय फूल मालियान शिव मंदिर लोहाखान पुलिस लाइन से गाजे बाजों से प्रारंभ हुई। आगे आगे बाबा की अखंड ज्योति वाहन में रखी गई। इसके पश्चात् भक्तगण हाथों में बाबा के निशान लिए चल रहे थे। सबके पीछे बाबा का सजा हुआ रथ चल रहा था। जिसमें बाबा के भव्य दरबार में श्री श्याम बाबा शान से विराजे भक्तों को दर्शन रहे थे। भक्तों ने बाबा के दर्शन कर मनौती मांगी। यात्रा में महिलाए पुरूष व बच्चों ने भाग लिया।यात्रा क्षत्रिय फूल मालियान शिव मंदिर न्यू पैटर्न स्कूल वाली गलीए सर्वोदय कॉलोनी, मीठे कुएं की गली, कल्पवृक्ष मंदिर विष्णु मंदिर जवाहर नगरए नेगी कम्प्यूटरए शिव मंदिर नया बाड़ाए पुलिस लाइन चौराहाए देवेंद्र मिठान भंडार अटल उद्यान, मारोठ भैरव मंदिर लोहाखान में महाआरती के साथ संपन्न हुई।

रथ पर पुष्प वर्षा व इत्र वर्षाः-यात्रा लखदातार नवयुवक मंडल की ओर से पूरे रास्ते भर में पुष्प व इत्र वर्षा की गई। भक्तों ने अपने घर और प्रतिष्ठानों पर बाबा के स्वागत की तैयारी कर रखी थी। मंडल के सदस्यों ने सभी क्षेत्रवासियों और श्याम प्रेमियों से इस यात्रा का हिस्सा बनने का निमंत्रण दिया थाए यही कारण रहा कि आज सारे भक्त इस यात्रा में शामिल हुए। आयोजक दिलीप भाटी ने सभी का आभार व्यक्त किया।

झांकियां सजाई,शीतल पेय की सेवाः-पुलिस लाईन चौराहा के निकट देवेंद्र मिष्ठान भंडार के समक्ष श्रीराधा कृष्णजी भगवान की सुंदर झांकी सजाई गई। यहां बाबा श्रीश्याम जी जय श्री राधा रानी और श्री कृष्ण भगवान जी की भी झांकी सजाई। साथ ही श्री हनुमानजी व वानर की झांकी सजाई। ये सभी झांकियां लोगों का मन मोह रही थीं। यहां भक्तों को शीतल पेय व पंचमेवा का प्रसाद वितरण किया गया। आकर्षक लाईट और डेकोरेशन से क्षेत्र को सजाया गया। यहां अनिल भारद्वाज, कुशाल चंद असरवा, देवेंद्र साहू, सुनील उबाना, सुचिर भारद्वाज,झंडेलसिंहए यूनुस खान, हरीश गर्ग, सुखपाल खरोल,राहुल जैन ने सेवा की।

सम्पादकीय

आखिर कैसे रुकेगा निजी अस्पतालों में मरीजों का 'शोषण' जिम्मेदार कौन?

चिकित्सा पेशा या स्वास्थ्य व्यवसाय कोई सामान्य पेशा नहीं है बल्कि यह व्यक्तिगत जीवन और जनस्वास्थ्य से जुड़ा एक अत्यंत महत्वपूर्ण कार्य है जिसमें थोड़ी.सी भी लापरवाही किसी के जीवन पर भारी पड़ सकती है। वहींए अपना या अपने परिवार का इलाज करवाने के चक्कर में यदि कोई व्यक्ति या परिवार लूट-पिट जाए तो यह भी प्रशासनिक नजरिए से अनुचित है। और ऐसे ही जरूरतमंद लोगों के पक्ष में सरकार और समाजसेवी संस्थाओं दोनों को अवश्य खड़ा होना चाहिए। यही वजह है कि जनस्वास्थ्य से जुड़े चिकित्सा पेशा या स्वास्थ्य व्यवसाय को सिर्फकारोबारी लाभ के नजरिए से नहीं देखा जा सकता है बल्कि यह एक सामाजिक और नैतिक उत्तरदायित्व से जुड़ा हुआ विषय ;पेशा है जिसे जनसेवा की भावना से किया जाए तो सरकार और संस्था दोनों को यश मिलेगा। भारतीय सभ्यता व संस्कृति तो शुरू से ही सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे संतु निरामया की पक्षधर रही है। लेकिन देश में लागू नई आर्थिक नीतियों से उपजी नैतिक व कानूनी महामारी के दौर में जीवन का हर क्षेत्र प्रभावित हो रहा है।दुर्भाग्य है कि चिकित्सा पेशा भी इससे वंचित नहीं है। चर्चा है कि महज आर्थिक लाभ के उद्देश्य से चिकित्सक महंगी जांच और अनावश्यक दवाइयां लिख रहे हैं। जानलेवा ऑपरेशन करने और अंगों के कारोबार तक से बाज नहीं आ रहे हैं। प्रशासनिक भ्रष्टाचार और न्यायिक जटिलताओं से ऐसे बहुत कम मामले हैं जो कोर्ट की दहलीज तक पहुंच पाते हैं। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट द्वारा रा'य सरकारों से यह कहना कि वे प्राइवेट अस्पतालों में मरीजों और उनके परिजनों के श्शोषणश् को रोकने के लिए उचित नीतिगत फैसला लेंए देर आयद दुरुस्त आयद जैसा है। जनहित के इस सवाल पर रा'य सरकारों को तुरंत एक्शन में आना चाहिए।दरअसलए एक जनहित याचिका में आरोप लगाया गया था कि प्राइवेट अस्पतालों और उनकी फार्मेसी में एमआरपी से 'यादा कीमत वसूली जा रही है। लिहाजाए कोर्ट ने इन अस्पतालों पर खुद से प्रतिबंध लगाने से इनकार किया और कहा कि ये संविधान में रा'य सूची का विषय हैए इसलिए रा'य सरकारें ही इस पर व्यापक दृष्टिकोण से विचार कर सकती है। वही उचित गाइडलाइंस बना सकती हैं। इसमें संतुलित दृष्टिकोण अपनाना होगा जिससे न तो मरीजों और उनके परिजनों का शोषण हो और न ही प्राइवेट अस्पतालों के कामकाज पर बेवजह प्रतिबंध लगे।बता दें कि यह जनहित याचिका सिद्धार्थ डालमिया ;कानून के छात्रद्ध ने दायर की है। इसमें कहा गया है कि श्उनकी मां को पिछले साल कैंसर हुआ था और वह अब ठीक हो चुकी है। लेकिन उनके इलाज के दौरान प्राइवेट अस्पतालों में जबरन महंगी दवाएं खरीदनी पड़ीं। लिहाजाए इनकी गुहार है कि मरीजों और परिजनों को यह आजादी मिले कि वे अपनी पसंद की फार्मेसी से दवाएंए मेडिकल इक्विपमेंट आदि खरीद सकें। हालांकिए केंद्र ने कोर्ट में कहा है कि मरीजों पर विशेष फार्मेसी से दवाएंए मेडिकल इक्विपमेंट लेने की बाध्यता नहीं है।सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं देना सरकार की जिम्मेदारी है। भले ही बढ़ती आबादी के कारण सरकार को प्राइवेट अस्पतालों की मदद लेनी पड़ीए लेकिन इसमें मरीजों का शोषण नहीं होना चाहिए। हालांकिए निजी हॉस्पिटल्स में जिस तरह से कैशलेस इलाज का प्रचलन बढ़ा हैए इस धंधे में बड़ी.बड़ी निजी कैशलेस चिकित्सा बीमा कम्पनियां सामने आयी हैंए उन्होंने अस्पतालों के पैनल जारी किए हैंए उससे एक संगठित लूट और इसी चक्कर में मानव स्वास्थ्यए जनस्वास्थ्य से खिलवाड़ बढ़ा है। निजी अस्पतालों में तो चुपके चुपके नई नई दवाइयों का परीक्षण तक मानव शरीर पर हो जाता और किसी को भनक तक नहीं लगती। कुछ निजी अस्पताल व उनके डॉक्टर तो रक्त और मानव अंगों के अवैध कारोबार तक में शामिल हैं। ऐसे आरोप अक्सर मीडिया में उछलते रहते हैं।वहींएजब से केंद्र सरकार गरीबों को आयुष्मान भारत कार्ड बनाने लगी है और 5 लाख रुपये तक के मुफ्त इलाज की सुविधा देने लगी हैए तब से नए नए घोटालों और अनैतिक करतबों की बाढ़ आ चुकी है। इन सबके दृष्टिगत सरकार भले ही एहतियाती कार्रवाई करती आई हैए फिर भी निजी चिकित्सा सेवा प्रदाताओं में इन नियमों का खौंफनहीं है। क्योंकि अक्सर चिकित्सक हड़ताल या दवा कारोबारी हड़ताल की धमकियां देकर हेल्थ सिंडिकेट से जुड़े लोग सरकार और प्रशासन को ब्लैकमेल कर लेते हैं। लेकिन सवाल फिर वही कि मानव स्वास्थ्य से खिलवाड़ कब तक।

महिलाओं का विकसित भारत, विकसित राजस्थान बनाने में महत्वपूर्ण योगदान -भजनलाल शर्मा

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने महिलाओं का विकसित भारत.विकसित राजस्थान बनाने में महत्वपूर्ण योगदान बताते हुए कहा है कि वे राजनीतिए कलाए खेलए शिक्षाए स्वास्थ्यए सुरक्षा सहित हर मोर्चे पर अपने उत्कृष्ट कार्यों से देश और प्रदेश को गौरवान्वित कर रही हैं।शर्मा शनिवार को बिड़ला सभागार में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर आयोजित रा'य स्तरीय महिला सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने मातृशक्ति का आह्वान किया कि अंतिम पंक्ति पर खड़ी जरूरतमंद महिलाओं को मुख्य धारा में लाने के लिए मिलकर प्रयास करें और देश-प्रदेश को सशक्त बनाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं। उन्होंने कहा कि महिलाएं त्याग, करुणा, स्नेह, धैर्य सहनशीलता, संवेदनशीलता, सौम्यता,विनम्रता, वीरता, सहानुभूति जैसे अनेक गुणों की प्रतिमूर्ति होती हैं। यह दिन मातृशक्ति के योगदान को सम्मान देने का अवसर तथा हर क्षेत्र में महिलाओं की शानदार उपलब्धियों पर गर्व करने का दिन है। उन्होंने कहा कि हर बच्चे के लिए उसकी मां ही उसकी प्रथम गुरु होती है तथा व्यक्ति को सुशिक्षित एवं सभ्य बनाने में नारी का बहुत बड़ा योगदान होता है।उन्होंने कहा कि हमारी संस्कृति में नारी को हमेशा सम्मान दिया गया है। हमारे शास्त्रों में भी कहा गया है कि जहां नारी की पूजा की जाती है वहां देवता निवास करते हैं। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर लाडो प्रोत्साहन योजना के माध्यम से गरीब परिवारों की बालिकाओं के जन्म पर दिए जा रहे एक लाख रुपए के सेविंग बॉन्ड की राशि को बढ़ाकर एक लाख 50 हजार रुपए करने की घोषणा की।शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के फैसलों से देश में महिलाएं सशक्त तथा आत्मनिर्भर बन रही हैं। इसी कड़ी में आज के दिन प्रधानमंत्री के डिजिटल सोशल मीडिया अकाउंट की जिम्मेदारी भी नारी शक्ति को ही सौंपी गई है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने जहां घर.घर में शौचालय बनवाकर नारी शक्ति को उचित सम्मान दिया वहींए उज्ज्वला योजना से हर घर तक रसोई गैस सिलेंडर पहुंचाया। हमारी सरकार भी 450 रुपए में रसोई गैस सिलेंडर देने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने आधी आबादी की उन्नति और प्रगति के लिए नारी शक्ति वंदन अधिनियम पारित करवाया जिससे महिलाओं के लिए लोकसभा और रा'य विधानसभाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण का मार्ग प्रशस्त हुआ है।उन्होंने कहा कि प्रदेश में हमारी सरकार महिलाओं के कल्याण और हितों के लिए काम कर रही है। राज्य सरकार द्वारा लखपति दीदी योजना के तहत तीन लाख से ज्यादा महिलाएं लाभान्वित हो रही हैं। साथ हीए मातृवंदन योजना से करीब पांच लाख महिलाएं लाभान्वित हुई हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं सहायिकाओं तथा साथिन बहनों के मानदेय में 10 प्रतिशत की बढ़ोतरीए बेटी बचाओ.बेटी पढ़ाओ योजना के तहत 10 हजार से अधिक ग्राम पंचायतों पर पौधारोपण जैसे कार्य किए गए हैं।मुख्यमंत्री ने कहा कि यह हम सबके लिए गौरव की बात है कि देश और प्रदेश दोनों का बजट महिलाओं ने ही पेश किया है। हमारे इस बजट में भी महिला सशक्तीकरण की गति को तेज करने के लिए कई प्रावधान किए गए हैं। संभागीय मुख्यालयों पर 50 बेड के सरस्वती हाफ वे होम्स स्थापितए 10 जिला मुख्यालयों पर बालिका देखभाल संस्थान नवगठित नगरीय निकायों में 500 पिंक टॉयलेट का निर्माण जैसे कदम बजट में उठाए गए हैं। इसी तरह बजट में हर ब्लॉक पर एक उच्च माध्यमिक विद्यालय या महाविद्यालय में रानी लक्ष्मीबाई केंद्र की स्थापना उच्च शिक्षा तकनीकी शिक्षा और कालीबाई योजना के तहत 35 हजार स्कूटी का वितरण का भी प्रावधान किया गया है।

शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार ने पिछले एक साल में तेजी से काम किया है। पिछली सरकार ने वर्ष 2023 में कृषि में अध्ययनरत 23 हजार छात्राओं को 22 करोड़ रुपए की प्रोत्साहन राशि दीए लेकिन हमने 2024 में 33 हजार से अधिक कृषि छात्राओं को 59 करोड़ रुपए की प्रोत्साहन राशि उपलब्ध कराई है। उन्होंने कहा कि गत सरकार ने कालीबाई भील मेधावी छात्रा योजना के तहत 2023 में करीब 4 हजार स्कूटी का वितरण कियाए जबकि हमारी सरकार ने अपने पहले ही वर्ष 2024 में 14 हजार से अधिक स्कूटी का वितरण किया है।साथ हीए पिछली सरकार ने 2023 में एक भी स्कूली छात्रा को साइकिल नहीं दी जबकि हमने 2024 में 10 लाख छात्राओं को साइकिल दी हैं। उन्होंने कहा कि 2023 में 67 हजार बालिकाओं को गार्गी पुरस्कार दियाए जबकि हमने 2024 में 92 हजार से अधिक बालिकाओं को इस पुरस्कार से नवाजा है। गत सरकार में 2023 में प्रधानमंत्री मातृ वंदन योजना से 2 लाख महिलाओं को लाभान्वित किया गयाए जबकि हमने इस योजना का लाभ 2024 में 5 लाख महिलाओं को दिया है।कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि समाज में महिलाओं के लिए अवसरों में समानता निरंतर बढ़ रही है। आज महिलाओं की स्टार्ट.अप व्यवसाय, कला, पर्यटन,खेल, मीडिया सहित सभी क्षेत्रों में भागीदारी में वृद्धि हुई है। इस आधी आबादी में निर्णय लेने की गजब क्षमता होती है जिससे परिवार, देश, समाज आगे बढ़ता है। उन्होंने कहा कि श्री मोदी ने बेटी बचाओ.बेटी पढ़ाओए स्वच्छ भारतए उज्ज्वला जैसी योजनाओं से महिला हितों के लिए जागरूकता बढ़ाई है। उनकी हर योजना में महिलाओं का हित केन्द्र में होता है।उन्होंने कहा कि भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का मानदेय 10 प्रतिशत बढ़ानाए लखपति दीदी का दायरा बढ़ाना जैसे कदमों से महिलाओं को आत्मनिर्भर एवं सशक्त बनाया जा रहा है।इससे पहले समारोह में मुख्यमंत्री ने रिमोट का बटन दबाकर महिला एवं बाल विकास विभाग की मुख्यमंत्री सुपोषण न्यूट्री किट योजना की गाइडलाइन, अमृत आहार योजना के तहत पांच दिन दूध वितरण की स्वीकृति, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा संचालित आवासीय संस्थानों में मैस भत्ता बढ़ाने की स्वीकृति स्वयं सहायता समूह की सदस्यों को 2.5 प्रतिशत के बजाय 1.5 प्रतिशत ब्याज दर पर एक लाख रुपये तक का ऋण उपलब्ध करवाए जाने के दिशा.निर्देश जारी किए।इसी तरहए मुख्यमंत्री ने ग्रामीण विकास विभाग की सोलर दीदी के नए मानदेय कैडर के दिशा.निर्देश सर्वाइकल कैंसर स्क्रीनिंग के लिए दिशा-निर्देश कृषि एवं उद्यानिकी विभाग की नमो ड्रोन दीदी के लिए दिशा-निर्देश भी जारी किए गए।

तृतीय शिक्षकों की पदोन्नति के लिए शीघ्र रास्ता निकलने की उम्मीद - मदन दिलावर

नागौर। राजस्थान के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कहा है कि प्रदेश में तृतीय शिक्षकों की पदोन्नति के लिए आगामी दस.पन्द्रह दिन में कोई रास्ता निकलने की उम्मीद हैं और इससे करीब 25 हजार शिक्षकों की पदोन्नति हो सकेगी और हम इस तरह एक साल में 50 हजार शिक्षकों की पदोन्नति करने में सफल रहेंगे।दिलावर रविवार को यहां मीडिया से बातचीत में यह बात कही। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के समय पांच साल में शिक्षकों की पदोन्नति नहीं की गई और इससे कोई रिक्त पद नहीं भराए जिससे शिक्षकों की कमी रही। अब मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में सरकार ने चाहा कि सभी प्रकार डीपीसी होनी चाहिए और जो पात्रता रखता हैं उनका प्रमोशन करना चाहिए।उन्होंने कहा कि हमने अभियान चलाकर 25 हजार शिक्षकों का प्रमोशन कर दिया हैं और तृतीय श्रेणी शिक्षकों का द्वितीय श्रेणी के लिए प्रमोशन अभी बाकी हैए अदालत में कुछ मामला हैं हम अदालत में भी अपनी बात अच्छी तरह रख रहे हैं और शायद 10.15 दिन में कोई रास्ता निकल आयेगा।उन्होंने कहा कि इससे करीब 25 हजार प्रमोशन होंगे और इस तरह एक साल में 50 हजार शिक्षकों के प्रमोशन करने में हम सफल रहेंगे। उन्होंने कहा कि इसके अलावा शिक्षकों के भर्ती निकालकर 12 हजार शिक्षकों के पद भरे हैं और मुख्यमंत्री की चार लाख लोगों को सरकारी नौकरी की घोषणा के तहत भी शिक्षकों की भर्ती होगी और इसके बाद शिक्षकों के लगभग सभी रिक्त पद भर जाएंगे।उन्होंने कहा कि जो अध्यापक अच्छी पढ़ाई नहीं करा पा रहे हैं उनके खिलाफउनका अन्य जगह स्थानांतरण आदि की कार्यवाही किए जाने का कहने के बाद शिक्षक विद्यालयों में बच्चों को अच्छा पढ़ा रहें हैं और शायद अब यह नौबत नहीं आएगी कि अध्यापक के खिलाफ कोई कार्रवाई की जाए।उन्होंने कहा कि सरकार के नियम के अनुसार जो विद्यार्थी 80 में से 13 अंक लाने वाला पास हो जाएगा ;20 अंक स्कूल की तरफ से मिलाने परद्ध लेकिन अब हमने यह कर दिया कि इतने अंक लाने पर बच्चा तो पास हो जाएगा लेकिन बच्चे के 80 में से 40 अंक नहीं आने पर अध्यापक फेल हो जाएगा।दिलावर ने कहा कि ऐसे शिक्षकों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी और उन्हें अन्य जगह स्थानांतरण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इसके बाद विद्यालयों में शिक्षक अच्छा पढ़ा रहे हैं और शायद अब नौबत नहीं आएगी कि अध्यापक के खिलाफ एक्शन लेना पड़े।उन्होंने कहा कि जिन विद्यार्थियों के बोर्ड की परीक्षा में उनके अनुमान से अंक कम आने पर परीक्षा में आए अंकों की रि.टोटलिंग की व्यवस्था हैं और इसके तहत कई बार नम्बर बढ़ भी जाते हैं लेकिन बच्चे के मन रहता हैं कि उसकी मेहनत के मुताबिक नम्बर नहीं मिले तो अब वे रिचैकिंग भी करा सकेंगे। उन्होंने कहा कि रिचैकिंग की व्यवस्था गणित विषय से पायलट प्रोजेक्ट के रुप में शुरु कर रहे हैं और इसके अच्छे परिणाम आने पर शेष सभी विषयों में इसे लागू किया जाएगा।

अमरीका में पहली बार हत्यारे को गोली से उडाकर मृत्युदंड

वाशिंगटन। अमरीका में हत्या के एक दोषी को शुक्रवार को फायरिंग दस्ते ने मृत्युदंड दिया। दक्षिण कैरोलिना के अधिकारियों ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि 15 वर्षों में यह अपनी तरह का पहली मौत की सजा है।

दक्षिण कैरोलिना सुधार विभाग ने एक बयान में कहा कि ब्रैड कीथ सिगमन की मौत की सजा शुक्रवार रात को एससी सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुसार और राज्य के कानून के अनुसार पूरी की गई। शाम 6.05 बजे तीन लोगों की फायरिंग स्क्वाड ने गोली मारकर उसे मौत की सजा दी। शाम 6. 08 बजे एक चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया।

देवनारायण बोर्ड अध्यक्ष ओमप्रकाश भड़ाना का 16 मार्च को अभिनंदन

कार्यक्रम के पोस्टर का विमोचन

अजमेर। राजस्थान गुर्जर महासभा की ओर से देवनारायण बोर्ड के अध्यक्ष ओमप्रकाश भड़ाना का 16 मार्च को एक समारोह में अभिनंदन होगा। इस अवसर पर भड़ाना को गुर्जर गौरव रत्न से नवाजा जाएगा।समारोह को लेकर महासभा के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने शनिवार को ग्रामीण क्षेत्रों में व्यापक जनसंपर्क कर वैशाली नगरए माकड़वाली, पदमपुरा, हासियावास, छातड़ी, रसूलपुरा, कांकरिया सहित अन्य गांवों में के समाजबंधुओं को समारोह में शिरकत करने का आमंत्रण दिया।जनसंपर्क अभियान के दौरान समारोह के पोस्टर का भी विमोचन किया गया। महासभा के पदाधिकारियों ने कहा कि भड़ाना ने समाज के उत्थान और कल्याण के लिए महत्वपूर्ण कार्य किए हैं। उनके सतत प्रयासों से वर्तमान बजटीय घोषणाओं में पीसांगन एवं नसीराबाद में देवनारायण बालिका आवासीय विद्यालयए आसींदए देवमाली में करोड़ों रुपए के विकास कार्यों सहित अन्य स्वीकृति मिलीगुर्जर महासभा ने समाज के सभी लोगों से इस कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने की अपील की है। समारोह को लेकर समाज में उत्साह का माहौल है। इसे ?तिहासिक बनाने के लिए जोर शोर से जुटे हैं।

बोर्ड परीक्षाओं के दौरान रहेगा लाउड स्पीकर के उपयोग पर प्रतिबन्ध

अजमेर। बोर्ड परीक्षाओं के दौरान जिले में लाउड स्पीकर के उपयोग पर प्रतिबन्ध लगाया गया है। इससे विद्यार्थी व्यवधान रहित अध्ययन कर सकेंगे।जिला मजिस्ट्रेट लोक बन्धु ने बताया कि माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की परीक्षाओं के दौरान विद्यार्थियों को व्यवधान रहित वातावरण मिलना चाहिए। इसके लिए अजमेर जिले में आगामी 10 अप्रैल तक रात्रि 10 बजे से सुबह 6 बजे तक किसी भी प्रकार के ध्वनि प्रसारक एवं ध्वनि विस्तारक यंत्रों ;लाउड स्पीकरद्ध का प्रयोग निषेध रहेगा।परीक्षा अवधि के अलावा किसी भी प्रकार के ध्वनि प्रसारक व विस्तारक यंत्रों का प्रयोग समस्त निर्धारित मापदंडो की पूर्ति करते हुए प्राधिकृत अधिकारी की अनुमति से ही किया जा सकेगा।उन्होंने बताया कि इस प्रतिबन्ध का उल्लंघन करने पर भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 223 के तहत दण्डित कराने की कार्यवाही की जाएगी। सबंधित उपखण्ड मजिस्ट्रेटए पुलिस उप अधीक्षकए तहसीलदार एवं थानाधिकारी इसकी पालना सुनिश्चित करेंगे। उल्लंघनकर्ता के विरूद्ध नियमानुसार कानूनी कार्यवाही करेंगे।

रजिस्ट्रेशन ऑफ न्यूज पेपर सेन्टर रूल्स 1956 के अनुसार

'सबगुरु न्यूज'

समाचार पत्र के स्वामित्व व अन्य विवरण का ब्यौरा

प्रपत्र-4

(देखिये नियम-8)

1. प्रकाशन का स्थान	-	कार्यालय 6/12, बी ब्लॉक हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी पंचशील अजमेर
2. प्रकाशन अवधि	-	पाक्षिक
3. मुद्रक का नाम	-	इंडिया ऑफसेट
क्या भारत का नागरिक है	-	हां
4. मुद्रणालय का नाम	-	किशन गुप्ता 419 ब्रह्मपुरी जयपुर रोड अजमेर
5. प्रकाशक का नाम	-	विजय सिंह
क्या भारत के नागरिक है	-	हां
पता	-	कार्यालय 6/12, बी ब्लॉक हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी पंचशील अजमेर
6. सम्पादक का नाम	-	विजय सिंह
क्या भारत के नागरिक है	-	हां
पता	-	कार्यालय 6/12, बी ब्लॉक हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी पंचशील अजमेर
7. उन सभी व्यक्तियों का नाम व पते जो समाचार पत्र के स्वामी हो तथा जो समस्त पूंजी के एक प्रतिशत से अधिक के साझेदार या हिस्सेदार हो	-	विजय सिंह कार्यालय 6/12, बी ब्लॉक हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी पंचशील अजमेर (राज.) कोई नहीं

मैं विजय सिंह एतद् द्वारा घोषणा करता हूं कि मेरे अधिकतम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार ऊपर दिया गया विवरण सत्य है।

दिनांक 10.3.2025

विजय सिंह

प्रकाशक के हस्ताक्षर

पुष्प प्रदर्शनी मधुलिका-2025 : हरा गुलाब देख चौंके लोग

हरा गुलाब देखा है

पुष्प प्रदर्शनी मधुलिका 2025 में यूं तो अनेकानेक पुष्प आकर्षण का केन्द्र रहे लेकिन हरा गुलाब इस प्रदर्शनी की शान रहा। हरे गुलाब का पौधा वर्तमान में सिर्फ इसी महाविद्यालय के वनस्पति उद्यान में उपलब्ध है। इसका रखरखाव कर रहे माली ने बताया कि करीब 20 साल से वे इसकी सारी संभाल कर रहे हैं।

अजमेर। सम्राट पृथ्वीराज चौहान राजकीय महाविद्यालय के शेषाद्रि उद्यान में आयोजित दो दिवसीय पुष्प प्रदर्शनी मधुलिका 2025 में हरा गुलाब देख सभी चौंक गए।पुष्प प्रदर्शनी के समापन समारोह के मुख्य अतिथि अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर डा धर्मवीर सिंह जानूए विशिष्ट अतिथि डॉ एसके बिस्सु रहे। अध्यक्षता प्राचार्य प्रो डा मनोज कुमार बहरवाल ने की।इस मौके पर मुख्य अतिथि जानू ने बताया कि 1993 में वनस्पति शास्त्र में डा सीबी गैना के अधीन शोध करने के लिए उन्हें भी अवसर मिला। इस नाते वे भी इसी महाविद्यालय के छात्र रहे।उन्होंने प्रत्येक पुष्प के बारे में जानकारी ली तथा सूक्ष्मता से विद्यार्थियों से प्रश्न पूछे।

उन्होंने नियमित रूप से आयोजित हो रही प्रदर्शनी के लिए महाविद्यालय प्रशासनए प्राध्यापकगण एवं उद्यान में कार्य कर रहे श्रमिकोंए सहायक कर्मचारियों की प्रशंसा की।दो दिवसीय पुष्प प्रदर्शनी में आयोजित प्रतियोगिता में स्वयं के द्वारा तैयार पौधे में याशी तिवारी प्रथमए अभय आर्य द्वितीय। बोनसाई में बीरमा प्रथम तथा अभय आर्य द्वितीय। पुष्प टोकरी एवं पुष्प माला में डॉ ज्योति सिंह प्रथम व अभय आर्य द्वितीय। पुष्प फोटो प्रतियोगिता में डा ज्योति सिंह व डा आदित्य शर्मा संयुक्त रूप से प्रथमए डा विकास सक्सेना व इक्षिका चौधरी द्वितीय तथा सोनल जांगिड व प्रियंका जाटोलिया तृतीय स्थान पर रहे।प्रदर्शनी संयोजक डा मनोज कुमार यादव ने आभार जताते हुए बताया कि इस प्रकार की प्रतियोगिता से विद्यार्थियों में प्रकृति की सौन्दर्यता के प्रति रुचि बढती है साथ विषय की गहन जानकारी प्राप्त करना सहज हो जाता है। महाविद्यालय उद्यान के साथ ही समूचे परिसर का सौन्दर्य बढाने में पुष्पों की महती भूमिका रहती है।

11वां चेटीचण्ड पखवाड़ा महोत्सव

धार्मिक,पारंपरिक खेलकूद व सेवा कार्य होंगे

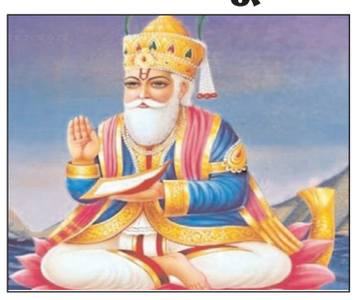

अजमेर। पूज्य झूलेलाल जयंती समारोह समिति की ओर से चेटीचण्ड 2025 के अवसर पर 21 मार्च से 6 अप्रैल 2025 तक होने वाले 11वें पखवाड़ा महोत्सव में विभिन्न कार्यक्रम होंगे।पखवाड़ा समिति के अध्यक्ष कवंल प्रकाश किशनानी ने बताया कि चेटीचण्ड के अवसर पर 17 दिवसीय कार्यक्रमों में शहर की 39 क्षेत्रीय पंचायतों धार्मिकए सामाजिकए शैक्षणिक व व्यापारिक संगठनों द्वारा आयोजित किए जाएंगे।महामंत्री महेन्द्र कुमार तीर्थाणी ने बताया कि संस्थाओं में स्वामी दादूंराम साहिब दरबार ट्रस्टए इच्छापूर्ण झूलेलाल मन्दिरए सांई बाबा मन्दिर ट्रस्ट, झूलेलाल सेवा मण्डली वैशाली नगर, ईश्वर मनोहर उदासीन आश्रम सेवा ट्रस्ट,श्री शांतानन्द उदासीन आश्रम, पूज्य पारब्रहम सेवा ट्रस्ट, सिन्धी समाज महासमिति, अजमेरए भारतीय सिन्धु सभा अजयमेरू, सिन्धु समितिए अजमेर सिंधी सेंट्रल महासमिति, अजयनगर सिन्धी समाज, वैशाली सिन्धी सेवा समिति, पूज्य सिन्धी पंचायत पंचशील, आदर्श सिन्धी पंचायत, आदर्श नगर, सिन्धी लेडिज क्लब अजमेर, सिन्धु विकास समिति, चंदवरदायी, सिन्धु सोशल वेलफेयर सो.नाका मदार, श्री अमरापुर सेवा घर कोटड़ा, सिन्धु ज्योति सेवा समिति अजमेर, झूलेलाल सेवा समिति, जेपी नगर, चन्द्र रूपाणी एण्ड पार्टी, नवयुवक सेवा मण्डल.आशा गंज, पूज्य सिन्धी पंचायत धोला भाटा, संत कंवरराम मंडल अजमेर श्री आलकेश्वर महोदव मंदिर अम्बे विहार, सिन्धी समाज रामगंज, क्षेत्रीय सिन्धी समिति फायसागर रोड, सिन्धी इतिहास व साहित्य शोध संस्थान, पूज्य सिन्धी पंचायत शास्त्री नगर, सिन्धी बोली विकास समिति, द स्मार्ट अजमेरियन, राष्ट्रीय जन सेवा समिति परिवार, ऑल इण्डिया स्मॉल एण्ड मीडियम जर्नलिस्ट वेलफेयर एसोसिएशन पडाव पंचायत एसोसिएशन, हरी सुन्दर उच्च माध्यमिक विद्यालय, सन्त कंवरराम उच्च माध्यमिक विद्यालय, स्वामी सर्वानन्द विद्यालय, सुधार सभा आयोजन करेंगी।

फिल्म निर्माता राम गोपाल वर्मा के खिलाफगैर जमानती वारंट जारी

मुंबई। महाराष्ट्र में मुम्बई की एक सत्र अदालत ने चेक बाउंसिंग मामले में फिल्म निर्माता राम गोपाल वर्मा के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया है।सत्र अदालत ने चेकबाउंस के एक मामले में राम गोपाल को निचली अदालत से मिली तीन महीने की साधारण कारावास की सजा के खिलाफ दायर याचिका की सुनवाई के दौरान मंगलवार को अनुपस्थित रहने पर वारंट जारी करने का फैसला सुनाया है। राम गोपाल वर्मा के वकील ने शुक्रवार को इस संबंध में जानकारी दी।सत्र अदालत ने गैर जमानती वारंट जारी करते हुए चेक बाउंस मामले में अंधेरी में न्यायिक मजिस्ट्रेट ;प्रथम श्रेणीद्ध वाईपी पुजारी द्वारा 21 जनवरी को सुनाए गए निचली अदालत के आदेश को रद्द करने की उनकी याचिका को भी खारिज कर दिया।

उन्हें तीन महीने की जेल की सजा सुनाई गई और सजा की अवधि के भीतर ही शिकायतकर्ता को 372219 रुपए का भुगतान करने का भी निर्देश दिया गया।पिछले महीने रामगोपाल वर्मा ने सत्र न्यायालय डिंडोशी में सजा के आदेश को चुनौती देते हुए दावा किया था कि चेक पर उनके हस्ताक्षर नहीं हैं और न ही यह उनके द्वारा जारी किया गया है।

Vedanta Chairman Anil Agarwal lauds Assam's tea industry and Government support

Guwahati: Vedanta Chairman Anil Agarwal took to X yesterday to highlight Assam's tea industry, sharing an excerpt from his Advantage Assam speech, where he emphasized how nature has blessed the state with incredible resources both above and below the ground. Notably, he shared his post in Assamese language, further resonating with the people of the state and showcasing his admiration for Assam's heritage.Emphasizing Assam's 200-year tea legacy, he noted how small tea gardens are growing alongside large plantations, marking a significant transformation in the industry.Agarwal underscored the state's immense contribution to India's economy, stating that Assam produces over 50% of India's tea, generating more than 650 million kg annually. The tea industry provides livelihood to 3 million people and contributes 3% to India's GDP. He also highlighted the crucial role of small tea growers, who produce over 400 million kg of green leaf, further driving Assam's tea economy. Recognizing the government's proactive measures, he commended initiatives such as guarantee-free loans and advancements in agricultural technology, which are empowering young entrepreneurs and transforming the tea sector. With Assam's fertile land, rich heritage, and strong government backing, the state is poised to elevate its globally recognized tea industry to new heights.

अजमेर, पुष्कर, नसीराबाद, ब्यावर में बंद के दौरान पसरा सन्नाटा

◆ काले कोट वालों के आक्रोश के सामने बौनी नजर आई खाकी ◆ अधिवक्ता पुरुषोत्तम जाखोटिया की मौत से वकील आक्रोशित

अजमेर। तीर्थनगरी पुष्कर के वरिष्ठ वकील पुरुषोत्तम जाखोटिया के हमले में घायल होने के बाद उपचार के दौरान मौत से समूचे अधिवक्ता वर्ग में आक्रोश व्याप्त हो गया। शनिवार को अजमेर शहर ब्यावर, पुष्कर, नसीराबाद समेत कई कस्बों में बंद रखा गया।अजमेर शहर में बंद का व्यापक असर देखने को मिला। मदार गेट, केसरगंज, दरगाह बाजार, वैशाली नगर, आदर्श नगर, स्टेशन रोड पर दिनभर सन्नाटा पसरा रहा। व्यापारिक महासंघ का समर्थन मिलने से अधिकांश कारोबारियों ने अपने प्रतिष्ठान बंद रखे इसके बावजूद कुछ जगह वकीलों और दुकानदारों तथा पुलिस के बीच तकरार भी हुई। दरगाह बाजार में दुकान खुली रहने पर बंद समर्थकों ने हंगामा कर दिया। वकील दिनभर समूहों में निकलकर बंद को सफल बनाने में जुटे रहे। इस दौरान पुलिस व प्रशासन के आला अधिकारी मय जाप्ते के वकीलों को समझाइश करते नजर आए।

बंद को सफल बनाने में जुटे वकीलों ने डंडे लेकर शहर में जुलूस निकाले तथा जो भी दुकान खुली मिली उसमें तोडफोड की। पंचशील स्थित सिटी स्क्वायर मॉल में एक ब्रांडेड शोरूम को क्षतिग्रस्त कर दिया। इसी तरह वैशाली नगर में एक सैलून में काम करने वाले की बुरी तरह पिटाई कर डाली। चौपाटी के सामने तो पुलिस और वकीलों के बीच हाथापाई की नौबत आ गई। हालात नाजुक होते देख कलेक्टर लोकबंधु तथा पुलिस अधीक्षक वंदिता राणा मौके पर पहुंचे और जैसे तैसे पुलिस और वकीलों के बीच विवाद बढने से टाला। दीगर बात यह है कि इस बार बंद के आहवान में महिला वकील भी अपने साथियों के साथ घूमकर प्रदर्शन करते हुए नारे लगाती रहीं।

अब आगे क्या? महापड़ाव की तैयारी

बंद के बाद अपराहन बाद सेशन कोर्ट के समक्ष बने अस्थाई मंच से जिला बार अध्यक्ष अशोक सिंह रावत व सचिव दीपक गुप्ता व उपाध्यक्ष गगन वर्मा ने वकीलों के आंदोलन में सहयोगी रहने वाले व्यापारी, टेम्पो, टैक्सी, ई रिक्शा, सिटी बस चालक व संचालकों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि वकीलों की मांग पूरी होने तक आंदोलन जारी रहेगा।

जिला बार प्रदेश के सभी अधिवक्ता संगठनों को पत्र भेजकर इस घटना की सूचना देंगे और अजमेर में वकीलों की महापडाव आयोजित करने के लिए रायशुमारी कर सभी की सहमति से उसे मूर्तरूप दिया जाएगा।

नसीराबाद में शांतिपूर्ण रहा बंद

नसीराबाद। बार एसोसिएशन के आहवान पर नसीराबाद बंद पूरी तरह सफल रहा। नगर के सभी व्यावसायिक प्रतिष्ठान बंद रहे केवल मेडिकल शॉप खुले थे। वकील सुबह से ही बार अध्यक्ष सुखदेव चौधरी के नेतृत्व में बाजार तथा मुख्य मार्गो पर बंद कराते नजर आए।हमले में घायल पुष्कर के अधिवक्ता पुरुषोत्तम जाखोटिया के निधन से आक्रोशित वकीलों ने बंद का आहवान किया था। बंद के दौरान सदर बाजार, सुभाष गंज, अनाज मंडी, सायर ओली बाजार, पलसानिया रोड, सिंधी बाजार, मोची बाजार समेत गली मोहल्लों तक बंद का असर रहा।बंद के साथ ही वकीलों ने एकत्र आकर एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट को लागू किए जाने की मांग के समर्थन में जमकर नारेबाजी की। बंद के मद्देनजर पुलिस भी मोर्चा संभाले रही। सिटी थाना प्रभारी हुकम गिरी मय जाप्ते के गश्त लगाते हुए हालात पर नजर गडाए रहे।

मृतक अधिवक्ता जाखोटिया का अंतिम संस्कार

पुष्कर के ग्राम नेडलिया निवासी अधिवक्ता पुरुषोत्तम जाखोटिया का शव करीब 3 दिन जवाहर लाल नेहरू चिकित्सालय की मोर्चरी में ही रखा रहा। शव का पोस्टमार्टम तक नहीं हो सका। जिला बार एसोसिएशन व परिजनों की मांगे पूरी होने पर दाह संस्कार किए जाने की जिद पर आंदोलनकारी वकील अडे रहे। आखिरकार शनिवार देर शाम मृतक अधिवक्ता के परिजनों को 1 करोड रुपए मुआवजा देने मृतक के एक परिजन को सरकारी नौकरी आरोपियों के खिलाफजल्द चार्जशीट पेश करने तथा एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट को लागू करने समेत 5 सूत्री मांग पर सर्किट हाउस में 8 मार्च को देर शाम विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी और बार अध्यक्ष अशोक सिंह रावत के बीच वार्ता के बाद दिवंगत वकील जाखेटिया के शव का दाह संस्कार करने पर सहमति बनी। पुष्कर स्थित छोटी बस्ती पुष्कर मोक्ष धाम में रविवार शाम शव का अंतिम संस्कार कर दिया गया।

दो मुख्य आरोपियों समेत 8 पुलिस रिमांड पर

वरिष्ठ धवक्ता पुरुषोत्तम जाखेटिया की हत्या के सभी 11 आरोपियों की गिरफ्तारी की जा चुकी है। इनमें से तीन आरोपी जेल में हैं तथा दो मुख्य आरोपी समेत सभी 8 आरोपी पुलिस रिमांड पर चल रहे हैं। थाना प्रभारी घनश्याम सिंह राठौड ने बताया कि वकील जाखोटिया पर हमला करने के दो मुख्य आरोपी शक्ति सिंह रावत व हेमराज मेघवाल समेत सभी 11 आरोपियों को अरेस्ट कर लिया गया है। इनमें से पहले दिन पकडे गए 3 आरोपियों को जेल भिजवा दयाए जबकि 8 आरोपी रिमांड पर हैं। अधिवक्ता की मौत के बाद सभी आरोपियों के खिलाफहत्या का मामला दर्ज कर नए सिरे से जांच की जा रही है।

पुष्कर में वकीलों ने निकाली रैली

पुष्कर में अधिवक्ता पुरुषोत्तम जाखोटिया पर हुए हमले के बाद उनके निधन से नगरवासियों व वकील समुदाय में भारी आक्रोश व्याप्त है। बार एसोसिएशन के आहवान पर शनिवार को बंद के आयोजन को व्यापारी वर्गए आमजन और विभिन्न संगठनों का व्यापक समर्थन मिला। मेडिकल स्टोर संचालकों ने भी सुबह दो घंटे स्वेच्छा से अपने प्रतिष्ठान बंद रखे। सुबह कोर्ट परिसर में वकील जमा हुए तथा बार अध्यक्ष कुलदीप पाराशर के नेतृत्व में शांतिपूर्ण तरीके से बंद को सफल बनाने के लिए मुख्य बाजार से रैली भी निकाली। दिनभर बाजारों में सन्नाटा पसरा रहा। बंद के कारण बाहर से आने वाले तीर्थ यात्रियों तथा पर्यटकों को असुविधा का सामना करना पडा। कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस प्रशासन मुस्तैदी से डटा रहा।

दिवंगत अधिवक्ता के परिजनों को सौंपी आर्थिक सहायता राशि

अजमेर। पुष्कर के दिवंगत अधिवक्ता पुरुषोतम जाखेटिया मृत्यु प्रकरण में प्रशासन व वकीलों में सहमति के बाद रविवार को विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, केन्द्रीय कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी, जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत पुष्कर पहुंचे तथा शोक संतृप्त परिवार को आर्थिक सहायता राशि सौंपी। जनप्रतिनिधियों ने प्रशासन को शराब का ठेका हटाने व वकीलों की अन्य मांगों पर भी शीघ्र कार्यवाही के निर्देश दिए। पुष्कर के अधिवक्ता जाखेटिया की मृत्यु प्रकरण में रविवार को सहमति बनी। अधिवक्ताओं के प्रतिनिधि मंडल ने विधानसभा अध्यक्षए अन्य जनप्रतिनिधि व प्रशासन में वार्ता की। दोपहर बाद विधानसभा अध्यक्ष देवनानी, केन्द्रीय मंत्री चौधरी, केबिनेट मंत्री रावत व अन्य जनप्रतिनिधि पुष्कर पहुंचे। उन्होंने पुष्कर में जाखेटिया के अंतिम संस्कार में श्रद्धांजलि अर्पित की तथा जाखेटिया के निवास पर पहुंच कर परिवार को ढांढस बंधाया साथ ही परिजनों को आर्थिक सहायता सौंपी।विधानसभा अध्यक्ष व मंत्रीगण ने प्रशासन को निर्देश दिए कि शराब के ठेके दोषियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही जांच सहित अन्य मांगों पर तत्काल कार्यवाही शुरू की जाए। इस अवसर पर पूर्व विधायक देवी शंकर भूतड़ा सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

सीएम से मिले पुष्कर विधायक एवं मंत्री रावत

पुष्कर के वरिष्ठ अधिवक्ता पुरूषोत्तम जाखेटिया की हत्या के मामले में स्थानीय विधायक एवं जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से मुलाकात त्वरित कार्रवाई की अपील की। मंत्री रावत ने आग्रह किया कि आरोपियों को जल्द से जल्द कठोर सजा दिलाकर जाखेटिया परिवार को न्याय दिलाया जाए।रावत ने बताया कि 2 मार्च को दिवंगत जाखेटिया के साथ कुछ युवकों ने डीजे बजाने से रोकने के कारण मारपीट की थीए जिससे उनकी हालत गंभीर हो गई थी। लंबी चिकित्सा प्रक्रिया के बाद जाखेटिया का निधन हो गया। इस घातक घटना को गंभीरता से लेते हुए मंत्री ने मुख्यमंत्री से तत्काल कार्रवाई की अपील की।

रावत ने कहा कि यह घटना हम सभी के लिए भी बहुत कष्टकारी है। इसलिए सरकार को इस मामले में गंभीरता से विचार करते हुए आरोपी युवकों को जल्द से जल्द कठोर सजा दिलाएए ताकि पीड़ित परिवार को न्याय मिल सके।मंत्री रावत ने मुख्यमंत्री से आग्रह किया कि इस प्रकरण में न्यायिक प्रक्रिया को तेज गति प्रदान की जाएए पीड़ित परिवार की मांगों पर शीघ्र संवेदना पूर्वक निर्णय कर अधिकाधिक सहायता प्रदान कराई जाए।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक विजय सिंह ने मुद्रक किशन गुप्ता द्वारा इंडिया ऑफसेट प्रिंटर्स 419 ब्रह्मपुरी, जयपुर रोड से मुद्रित करवाकर कार्यालय 6/12 बी ब्लॉक हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी पंचशील, अजमेर (राज.) से प्रकाशित किया। सम्पादक- विजय सिंह मो. 9887907277 (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अजमेर रहेगा)